विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

यजुर्विद तन्त्र व वन वृक्षायुर्वेद पर एक दृष्टि

यहाँ यजुर्विद तन्त्र नामक एक अनूठे आयुर्वेदिक ग्रंथ के लेखन पर चर्चा हो रही है। यह संहिता आहार, विहार, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त, रसायन, प्रसन्नताविज्ञान, प्रज्ञाविज्ञान, वन वृक्षायुर्वेद जैसे विषयों पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के गूढ़ सिद्धांतों को सरल और जनसामान्य के लिए सुलभ बनाना है। इसमें दीर्घकालिक अनुभव और गहन अध्ययन को सम्मिलित किया गया है। ग्रंथ का उद्देश्य न केवल आयुर्वेद का प्रचार करना है, बल्कि उसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी उजागर करना है। इस ग्रंथ में आहार-विहार की विशेष महत्ता दी गई है, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। 2020 से इस ग्रंथ पर कार्य चल रहा है और प्रकाशन से पूर्व 1200 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा इसका समीक्षा किया जा रहा है, जिससे यह आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरे। इसका एक प्रमुख आकर्षण–"याज्यात्विषा त्रिवेणी" व्याख्या है, जो संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध होगी, जिससे पाठक आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने जीवन में आसानी से अपना सकें।

यजुर्विद तन्त्र के वन वृक्षायुर्वेद अध्याय का एक उदाहरण देखते हैं। विपुलाश्रयंजीवसमूहवृत्तिं, विशालवृक्षाधरणीपोषयन्ति। तेषांपतन्त्रेषुपर्णेषुभूमि:, सम्पद्यतेधान्यमयीसतत्त्वा।। छायांफलान्याश्रितजीवदात्री, वृक्षासदाऽनेकप्रजातिसिद्धा:। संरक्षिताधातुमयीसुशक्ति:, तेसंततंभूमिसुखायवृत्ता:।। (वनवृक्षायुर्वेद, 2024)। इन मूल सूत्रों का तात्पर्य यह है कि विशाल वृक्ष अनेक जीव समूहों का जीवन आधार होते हैं और पृथ्वी पर मृदा को पोषण प्रदान करते हैं। जब उनकी पत्तियाँ गिरती हैं, धरती धान्य और पोषक तत्वों से समृद्ध हो जाती है। वे छाया और फल प्रदान करने वाले होते हैं और कई प्रजातियों का आधार होते हैं। उनका संरक्षण पोषक तत्वों से भरी शक्तियों से होता है, और वे सदैव पृथ्वी के सुख के लिए कार्यरत होते हैं। इन सूत्रों की त्रिभाषीय व्याख्या भी उदाहरण स्वरुप प्रस्तुत है।

याज्यात्विषा त्रिवेणी व्याख्या (संस्कृत): अत्र 'विपुलाश्रय' इति शब्देनवृक्षाणांअत्यन्तंविस्तीर्णाश्रयकारणतत्त्वंसूच्यते। विशालवृक्षा: बहव:जीवा:यत्रसमुपवसन्ति, तेबहुप्राणिसमूहानांजीवनसंवर्धनंकुर्वन्ति। वृक्षा: न केवलंप्राणिनांशरणंददन्ति, अपितु भूमे: स्थितिरक्षिन्त, तद्वत्धरणिंपोषयन्ति। विज्ञानात: ज्ञातंयत्वृक्षा: जलचक्रंसंतुलयन्ति, भूमेर्उर्वराशक्तिं च संवर्धयन्ति, यद्वलात्सर्वजीवेषुपोषणंसम्पद्यते। वृक्षा:भूमे: शारीरिक-आर्थिक पर्यावरणायमुख्यंसाधनंसन्ति।

वृक्षाणांपर्णानि यदा पतन्ति, तदा तेपर्णानिभूमौतात्त्विकसंवर्धनायपोषकशक्त्यासम्पद्यन्ते। भूमि:तेषांपतनेन धान्य-धान्ययुक्ताभवति। आधुनिक विज्ञानात्पत्रपतनंभूमिस्थितेर्पोषणचक्र: इति स्वीकृतम् अस्ति। पर्णपतनात्सृष्टे: पोषणक्रियायांकार्बनस्यसंचयनं च भवति, यत्भूमे: उर्वरता एवं सम्पोषणंकुर्वन्ति।

वृक्षा: न केवलंछायांफलानि च ददन्ति, अपितु अनेकप्राणिनांजीवनसाधका: भवन्ति। छाया, फलानि च वृक्षाणांपरमंजीवनदायकंसाधनंभवन्ति, यत्रप्राणिनांआश्रय: च भवति। वृक्षाविविधप्रजातिषुजीवनंपोषयन्ति, तेषांस्थैर्यंरक्षिन्ता। विज्ञानानुसारंवृक्षा: जैवविविधते: रक्षणेअत्यन्तंमुख्यंकारक: भवन्ति।

वृक्षा: भूमे: धातुमयीशक्त्यासंरक्षिता: सन्ति। तेषांवृद्धयर्थंभूमे: धातव: पोषणंददन्ति। विज्ञानस्यदृष्ट्यावृक्षाणांवृत्ति: जैवरासायनिकचक्रेस्थिता: भवति, यत्तेषांजीवनचक्रंधरण्या: स्थैर्यायसहायकंभवति। वृक्षा: भूमिसुखायनिरंतरंकार्यशीला: सन्ति, यथा पर्यावरणंसंतुलयन्ति।

वृक्षाणां जैव विविधतायाश्चसम्बन्ध: आधुनिकपर्यावरणविज्ञानेअत्यन्तंमूलभूत: अस्ति। महावृक्षा: मूलजीवितप्रकाराणांसदृश: आचरन्ति, विविधप्रकाराणांवन्यप्राणिनांशरणंपोषणं च प्रददन्ति, तदनुगुणंआवासस्थलेस्थैर्यंसन्ततिं च धारणंकुर्वन्ति। पत्राणांपतनंतत: पोषणचक्रस्यप्रवर्तनं, इदानीन्तांविज्ञानानुसारंपत्रभस्मनिरास: एवं कार्बनिकपदार्थसमृद्धि: मृत्तिकाया: उर्वरता कार्बननिरोधनं च साधयत:। वृक्षा: जलचक्रंरक्षिन्तमृत्तिकानिरासं च वारयन्ति इति आधुनिकविज्ञानस्यदृढ़समर्थनंप्राप्तम्। वृक्षा: जलसंरक्षणंवातावारिधारणं च कुर्वन्ति। भूमे: धातव: वृक्षवृद्धिंसहारयन्ति, तेषांकारणंजैवरासायनिकचक्रेस्थिता इति भवति, यत्पर्यावरणस्वास्थ्यस्यस्थैर्यंरक्षित। अत्रवृक्षाणांजैवविविधतायाश्चसम्बन्ध:, जीववायुप्रदायित्वं, जैवविविधतारक्षणं, जीवनोपायानांदानं च विद्यमानंसेवाकार्यंभविष्यति, अयमेवआधुनिकपर्यावरणविज्ञानस्यएक: मुख्य:शोधविषय: अस्ति।

याज्यात्विषा त्रिवेणी व्याख्या (हिंदी): यहाँ 'विपुलाश्रय' का तात्पर्य है कि वृक्ष अत्यधिक विस्तारित रूप से जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। विशाल वृक्ष अनेक प्राणियों के समूह का पोषण करते हैं। ये वृक्ष न केवल जीवों को शरण देते हैं, बल्कि धरती में मिट्टी की स्थिति को स्थिर करते हुए उसे पोषित भी करते हैं। आधुनिक विज्ञान के अनुसार, वृक्ष जलचक्र को संतुलित करते हैं और मृदा की उर्वरक क्षमता को बढ़ाते हैं, जिससे समस्त जीवों का पोषण संभव होता है। वृक्ष धरती के पर्यावरणीय और आर्थिक स्वास्थ्य का प्रमुख स्त्रोत होते हैं।

जब वृक्षों के पत्ते गिरते हैं, तो वे मिट्टी में मिलकर उसे पोषक तत्व प्रदान करते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से धरती धान्ययुक्त और समृद्ध हो जाती है। आधुनिक विज्ञान इस तथ्य की पुष्टि करता है कि पत्तों का गिरना मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पत्तियों के अपघटन से मिट्टी में पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता और पोषण चक्र में सुधार होता है।

जब वृक्षों के पत्ते गिरते हैं, तो वे मिट्टी में मिलकर उसे पोषक तत्व प्रदान करते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से धरती धान्ययुक्त और समृद्ध हो जाती है। आधुनिक विज्ञान इस तथ्य की पुष्टि करता है कि पत्तों का गिरना मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पत्तियों के अपघटन से मिट्टी में पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता और पोषण चक्र में सुधार होता है।

वृक्ष न केवल छाया और फल प्रदान करते हैं, बल्कि वे अनेक जीवों के जीवन का आधार भी होते हैं। वृक्षों की छाया और फल जीवों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं, जो उनके अस्तित्व को बनाए रखते हैं। वृक्ष विभिन्न प्रजातियों के लिए स्थिरता और जीवन का स्त्रोत होते हैं। आधुनिक विज्ञान भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि वृक्ष जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वृक्षों को धरती की धातुमयी शक्तियाँ पोषित करती हैं, जिससे उनकी वृद्धि होती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार, वृक्षों का जीवन जैव-रासायनिक चक्रों पर निर्भर करता है, जो धरती में पारिस्थितिक तंत्रों की स्थिरता और स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होते हैं। वृक्ष निरंतर धरती की समृद्धि और संतुलन को बनाए रखने के लिए कार्यरत रहते हैं।

वृक्षों और जैवविविधता के बीच का संबंध आधुनिक पारिस्थितिकी विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण है। बड़े वृक्ष प्रमुख प्रजातियों के रूप में कार्य करते हैं, जो विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों को आश्रय और पोषण प्रदान करते हैं, जिससे आवास की स्थिरता और संतुलन बना रहता है। पत्तियों का गिरना और उसके बाद पोषक तत्वों का चक्रण आधुनिक विज्ञान में पत्र अपघटन और जैविक पदार्थ संवर्धन की अवधारणा है, जो मृदा उर्वरता और कार्बन अवशोषण के लिए महत्वपूर्ण है। वृक्ष जलचक्र को बनाए रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं, इस तथ्य को आधुनिक विज्ञान से अच्छी तरह से समर्थन प्राप्त है। वृक्ष जल संरक्षण और जलवायु नियमन में सहायता करते हैं। भूमि से मिलने वाले खनिज जो वृक्षों की वृद्धि में सहायक होते हैं, जैवभौतिक चक्रों का हिस्सा होते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं। वृक्षों और पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाओं-जैसे ऑक्सीजन प्रदान करना, जैव विविधता की रक्षा करना और आजीविका प्रदान करना-के बीच का संबंध आधुनिक पर्यावरण विज्ञान में एक महत्वपूर्ण शोध का क्षेत्र है।

Yajya Tvisa Triveni Vyakhya (English): Here, "vast shelters" indicates that trees provide expansive refuge to many living organisms. Large trees are the nourishers of various species of life. These trees not only give shelter but also sustain the stability and fertility of the earth. According to modern science, trees play a critical role in balancing the water cycle and enhancing soil fertility, which in turn supports the nourishment of all living beings. Trees are essential for both environmental and economic health.

As the leaves of trees fall, they mix with the soil, providing vital nutrients. This process enriches the earth, making it fertile and productive. Modern science supports this concept, acknowledging that the decomposition of leaves is essential for enhancing soil fertility. The breakdown of organic matter replenishes the soil's nutrient content and helps in carbon sequestration, ensuring healthy and productive soil.

Trees not only offer shade and fruits but also act as life-support systems for many species. Their shade and fruits sustain life and offer shelter to a variety of organisms. Trees are essential for stabilizing life across species and play a vital role in maintaining biodiversity. Modern science highlights the importance of trees in protecting biodiversity and supporting ecosystems.

Trees derive their nourishment from the minerals present in the earth, which strengthens and supports their growth. According to scientific understanding, trees are sustained by the biogeochemical cycles that maintain ecosystem health. Trees continuously work towards the well-being and balance of the earth, ensuring environmental stability. They play a crucial role in regulating the ecosystem and ensuring the health of the planet.

The relationship between trees and biodiversity is fundamental in contemporary ecological science. Large trees act as keystone species, providing shelter and sustenance for a wide array of wildlife, contributing to habitat stability. The falling leaves and the subsequent nutrient cycling are modern concepts of litter decomposition and organic matter enrichment, which are critical for soil fertility and carbon sequestration. The idea that trees help maintain the hydrological cycle and prevent soil erosion is now well-supported by science, as trees help in water retention and climate regulation. The minerals from the earth that support tree growth arepart of the biogeochemical cycles that maintain ecosystem health. Additionally, the connection between trees and ecosystem services-such as providing oxygen, maintaining biodiversity, and offering livelihoods-forms a key area of research in current environmental science.

यह आशा की जाती है कि यह प्रयास न केवल आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि इसे एक नई दिशा और दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा। आज का यह आलेख एक उदाहरण के रूप में आपके सम्मुख प्रस्तुत किया गया है। यजुर्विद तन्त्र और वन वृक्षायुर्वेद पर अतिथि सम्पादकीय की यह श्रंखला आगे निरंतर चलती रहेगी। आशा है कि इससे तीनों भाषाओं के पाठक लाभान्वित होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

केरू गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध क्लिनिक सीज किया

मौके पर टीम को अवैध रूप से दवाईयां, ड्रिप व बेड लगा होना पाया गया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में झोलाछाप डॉक्टर बैखोफ होकर लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। झोलाछाप प्रैक्टिशनर अवैध रूप से क्लिनिक चलाकर लोगों का इलाज कर रहे हैं। हालांकि ऐसे लोगों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से कार्रवाई भी की जा रही है। ऐसे ही झोलाछाप के खिलाफ शनिवार को कार्रवाई की गई।

उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जोधपुर ग्रामीण डॉक्टर प्रीतम सिंह सांखला ने बताया कि शनिवार को शिकायत मिली कि जोधपुर ग्रामीण के केरू में अवैध रूप से क्लिनिक संचालित कर मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जिस पर डिप्टी सीएमएचओ जोधपुर ग्रामीण डॉ. प्रीतम सांखला ने मय टीम क्लिनिक पर दबीश दी। मौके पर अवैध रूप से दवाईयां, ड्रिप व बेड लगा होना पाया गया। संचालक से मेडिकल संबंधित

■ संचालक से मेडिकल संबंधित डिग्री मांगने पर कोई जवाब नहीं मिला

डिग्री मांगने पर किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं दे पाया। उसके पास डिग्री व डिप्लोमा नहीं पाया गया। इसके पश्चात नियमानुसार उक्त क्लिनिक को सीजकर संबंधित राजीव गांधी थाने में संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में पंजीकरण बिना संचालित अस्पताल व क्लिनिक पर कार्रवाई होगी।

डिप्टी सीएमएचओ डॉक्टर सांखला ने बताया कि जोधपुर ग्रामीण सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय विशेष टीम गठित कर जिले में संचालित अस्पताल एवं क्लिनिक जो कि मेडिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में पंजीकृत नहीं है तथा अवैध रूप से चलाए जा रहे हैं, क्लिनिक व झोलाछाप प्रैक्टिशनर आदि पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथी ही उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आप स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना उपचार करवाएं, ताकि बेहतर और प्रमाणित चिकित्सा सेवाएं मिल सके।

योग इन्स्ट्रक्टर पद पर कार्यरत अभ्यर्थियों को बोनस अंक देने की मांग खारिज

आयुष कंपाउंडर/नर्स नियमित भर्ती-2023 का मामला, योग इन्स्ट्रक्टर ने बोनस अंक की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुष कंपाउंडर/नर्स नियमित भर्ती-2023 के केस में योगा इंस्ट्रेक्टर के पद पर कार्यरत अभ्यर्थियों को बोनस देने की मांग को खारिज कर दिया है। योगा इंस्ट्रेक्टर्स ने बोनस अंक की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस याचिका पर हाईकोर्ट जस्टिस फरजंद अली की कोर्ट ने गत बीस सितंबर को दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उसके बाद हाईकोर्ट ने इस केस में रिपोर्टेबल जजमेंट सुनाते हुए याचिकाकर्ताओं की मांग को अस्वीकार कर दिया। यह भर्ती एक हजार से ज्यादा पदों से जुड़ी है।

केस में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाअधिवक्ता नरेंद्र राजपुरोहित ने बताया कि योगा इंस्ट्रेक्टर प्रतिदिन महज एक घंटे के लिए कार्य करने लिए स्वैच्छिक सेवा पर कार्यरत हैं। उनका कार्य आयुष नर्सिंग के समरूप

■ आदेश के बाद साल 2023 से नियुक्ति का इंतजार कर रहे आयुष नर्सिंग अभ्यर्थियों को राहत मिली

नहीं है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी एक आदेश कोर्ट के समक्ष पेश किया। उसमें यह निर्धारित किया गया था कि जिसने भी उक्त विभाग के अंतर्गत कोविड काल में कार्य किया है उन्हें बोनस अंक दिए जाए। इसके खिलाफ पैरवी करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अधिवक्ता सुनील पुरोहित ने कोर्ट को बताया कि आयुर्वेद विभाग और चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग दोनों अलग-अलग हैं। ऐसे मे यह आदेश आयुष विभाग पर प्रभावी नहीं होता। कोर्ट ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अधिवक्ता सुनील पुरोहित और अतिरिक्त महाधिवक्ता नरेंद्र राजपुरोहित के तर्कों से सहमत होते हुए याचिकाकर्ताओं को बोनस देने से इनकार कर दिया। यह आदेश आने के बाद साल 2023 से नियुक्ति का इंतजार कर रहे आयुष नर्सिंग अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिल गई है। इससे उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।

राज्यपाल ने डॉ. दीपक जोशी की पुस्तक "अपना जालोर" का विमोचन किया

जालोर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राजभवन जयपुर में डॉ. दीपक जोशी की पुस्तक "अपना जालोर" का विमोचन किया। राज्यपाल ने कहा कि, यह पुस्तक केवल जालोर के इतिहास को नहीं, बल्कि वहां की सांस्कृतिक विविधता और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को भी उजागर करती है। उन्होंने डॉ. दीपक जोशी के प्रयासों की सराहना की, यह कहते हुए कि ऐसे कार्य जालोर के विकास और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

"अपना जालोर" पुस्तक राजस्थान के पश्चिमी जिले जालोर के सांस्कृतिक इतिहास और वहां के प्रेरणादायक व्यक्तियों की जीवनी पर आधारित है। जालोर, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर और विविध सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है, ने भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। पुस्तक में जालोर की भूगर्भिक संरचना, जलवायु, मिट्टियाँ, कृषि, नहरें, बांध, पशुपालन, वन्यजीव, इतिहास और संस्कृति का विशेष उल्लेख किया गया है, जो पाठकों को जालोर की समृद्ध

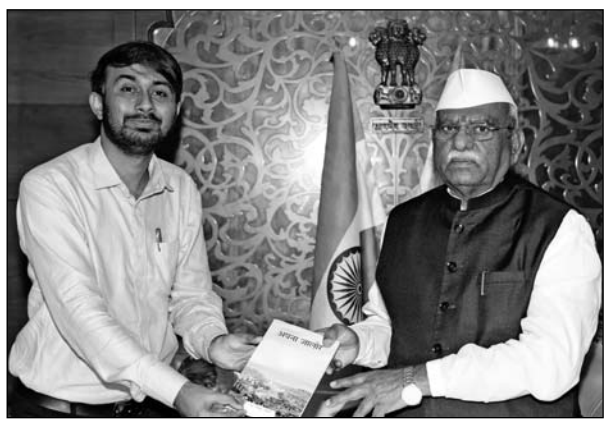

"अपना जालोर" पुस्तक का विमोचन राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जयपुर राजभवन में किया।

प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराती है। पुस्तक में ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का गहन विश्लेषण किया गया है। इसमें ऋषिराज जाबाली, महाराजा कान्हडदेव, महाराजा वीरमदेव, अदभुत वीरांगना हीरादे, ब्रह्मगुप्त और कवि माघ जैसे महान व्यक्तित्वों का जीवन परिचय शामिल है। इन व्यक्तियों ने ना केवल जालोर बल्कि समग्र भारतीय समाज में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। विशेष रूप से ऋषिराज जाबाली को भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिन्होंने धर्म और ज्ञान के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया।

इसके अलावा, पुस्तक में जालोर के समृद्ध इतिहास के प्रतीक अन्य व्यक्तित्वों जैसे निम्बाराम देवासी और भोलाराम देवासी का भी उल्लेख किया

■ यह पुस्तक केवल जालोर के इतिहास को नहीं, बल्कि वहां की सांस्कृतिक विविधता और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को भी उजागर करती है : राज्यपाल बागड़े

गया है, जो भारतीय राजस्व सेवा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मदनराज बोहरा, जिन्होंने जालोर में ग्रेनाइट के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, का भी उल्लेख है। ये सभी व्यक्ति जालोर के बच्चों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, क्योंकि वे अपने क्षेत्रों में उच्च पदों पर आसीन हैं। इस पुस्तक में जालोर के गौरवशाली दर्शनीय स्थलों का भी उल्लेख किया गया है। जैसे जालोर का किला, जो अपनी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है; तोपखाना, जहां कभी युद्ध सामग्री संग्रहीत की जाती थी, सिरे मंदिर और सुंधा माता मंदिर, जो धार्मिक आस्था के केंद्र हैं। भीनमाल का वराह श्याम मंदिर और क्षेमकरी माताजी मंदिर भी जालोर की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं, जिन्हें पुस्तक में विस्तार से वर्णित किया गया है। डॉ. दीपक जोशी ने पुस्तक के बारे में बताते हुए कहा, कि इस पुस्तक को बनाने में मुझे लगभग 2 वर्ष की मेहनत लगी है। मेरा उद्देश्य जालोर की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना और उसे अगली पीढ़ी के सामने लाना है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक जालोर के इतिहास में एक स्वर्णिम पृष्ठ साबित होगी, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने में मदद करेगी।

अपना जालोर पुस्तक के लिए उदयपुर राजपरिवार के पूर्व सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, पूर्व कलेक्टर एवं वर्तमान जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी, और पुलिस उपमहानिरीक्षक विकास शर्मा जैसे कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की है। इन्होंने डॉ. जोशी के इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। डॉ. दीपक जोशी मूलत: जालोर के धानोल गांव के निवासी है वर्तमान में उदयपुर में चिकित्सक हैं।

बंदर को निगल गया 10 फीट लंबा अजगर

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा क्षेत्र के रामपुर से झाखरी रोड पर एक 10 फीट लंबा अजगर बंदर को निगल गया। इसके बाद अजगर झाड़ियों में छिपा रहा। लोगों ने बंदर को निगलते देख वनकर्मियों को बताया।

वनकर्मी ने पहले अजगर का रेस्क्यू किया। फिर अजगर ने मरे हुए बंदर को वापस उगल दिया। सागवाड़ा वन क्षेत्र में झांखरी से रामपुर रोड पर एक पुलिया के पास लोगों ने एक लंबे अजगर को देखा। झाड़ियों और पानी के पास अजगर एक बंदर को निगल रहा था। अजगर के मुंह में बंदर फंसा था। ये देखकर लोग चौंक गए। इसके बाद लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। लोगों

■ लोगों ने अजगर को बंदर को निगलते देख वनकर्मियों को बताया, वनकर्मी ने पहले अजगर को रेस्क्यू किया, वहीं अजगर ने मरे बंदर को उगल दिया

ने अजगर के मुंह से बंदर को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन अजगर पानी में उतर गया। देखते ही देखते अजगर पूरे बंदर को निगल गया। सूचना पर पाडवा से वनकर्मी शैलेश सिंह राव, पर्यावरण प्रेमी प्रणम्य सोनी, समर सोनी, उपसरपंच अजीतसिंह राव, नारायण सिंह, कुलदीप सिंह, संजय सिंह मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों ने पानी से अजगर को रेस्क्यू किया। पुलिया के ऊपर अजगर को रखते ही अजगर ने मुंह से मरे हुए बंदर को उगल दिया। इसके बाद अजगर को जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

राशिफल रविवार 29 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, मघा नक्षत्र सोमवार प्रात: 6:19 तक, साध्य योग रात्रि 12:37 तक, तैतिल करण सायं 4:27 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सोमवार प्रात: 6:19 तक है। आज बारस और मघा का श्राद्ध और सन्यासियों का श्राद्ध है। आज गजधामा योग प्रात: 6:18 से सूर्यास्त तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:51 से 9:20 तक, लाभ-अमृत 9:20 से 12:17 तक, शुभ 1:46 से 3:15 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:22, सूर्यास्त 6:12

मेष

आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। फ्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनने लगेंगे।

धनु

घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य के लिए बाहर जा सकते हैं। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।